पर्यायवाची

परिभाषा- प्रायः समान अर्थ रखने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है।

निम्न को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-

1. **पूर्ण पर्याय**-वाक्य में यदि एक शब्द के स्थान पर दूसरा शब्द रखा जा सके और अर्थ में कोई अंतर न पड़ता हो, तो यह उसका पूर्ण पर्याय है। **जैसे-जलज, वारिज।**

2. **पूर्णापूर्ण पर्याय**-जो एक प्रसंग में तो पूर्ण पर्याय हो, किंतु दूसरे प्रसंग में समानार्थक न रह पाए; जैसे- कपड़े टांगना के स्थान पर कपड़े लटकाना कह दें तो वही अर्थ प्राप्त होता है, परंतु 'वह मुँह लटकाए बैठा है' के स्थान पर वह 'मुँह टाँगे बैठा है' नहीं कह सकते।

3. **अपूर्ण पर्याय**-समानार्थक शब्दों में अर्थ भेद

उदाहरण

अर्जुन : पार्थ, धनञ्जय, भारत, गुडाकेश, गांडीवधारी

अश्व : घोड़ा, घोटक, हय, बाजि, तुरंग तरंग = लहर

अचला : पृथ्वी, धरा, वसुधा, वसुन्धरा, महि, धरती अचल ⇒ पर्वत पहाड़

आँख : दृग, लोचन, चक्षु, नेत्र, दृष्टि, नयन, अक्षि

आम : आम्र, रसाल, पिकवल्लभ, फलश्रेष्ठ, सहकार, अमृतफल, पिकप्रिय, पियम्बु, पिकबन्धु

आँसू : अश्रु, नयननीर, नयनजल, नेत्रवारि

आदित्य : सूर्य, रवि, भानु, प्रभाकर, दिवाकर, भास्कर

आकाशगंगा : मंदाकिनी, नभगंगा, सुरनदी, नभोनदी

इच्छा : चाह, कामना, अभिलाषा, आकांक्षा, मनोरथ,
ईप्सा, लालसा, स्पृहा, वांछा, ईहा, लिप्सा, मर्जी,
उत्कंठा ऊँट उष्ट्र, महाग्रीव, लम्बोष्ठ, क्रमेलक

ऐश्वर्य : ऋद्धि, समृद्धि, सम्पन्नता, वैभव, श्री, सम्पदा,

सम्पत्ति

ऐच्छिक : वैकल्पिक, स्वेच्छाकृत, सविकल्प, मनचाहा

औषधि : दवा, दवाई, भेषज, औषध

कबूतर : कपोत, पारावत, रक्तलोचन, हारीत, परेवा

कल्पवृक्ष : पारिजात, देवद्रुम, कल्पद्रुम, कल्पतरु, मन्दार

कुबेर : धनद, किन्नरेश, यक्षपति, श्रीद, धनेश्वर, राजराज, धनाधिप

रावण के साला

कौआ	:	काग, काक, वायस, एकाक्ष, करट
केश	:	अलक, गेसू, बाल, कुंतल, कच
		गदहा - खर, रासभ, वैशाखनंदन, गर्दभ
चाँदनी	:	चन्द्रिका, ज्योत्स्ना, कौमुदी, जुन्हाई पूर्णिमा की रोशनी
जल	:	नीर, सलिल, उदक, पानी, अम्बु, तोय, वारि,
		पय, जीवन, आब, मेघपुष्प, सारंग, पाथ, सर्वमुख
जीभ	:	जिह्वा, रसना, रसज्ञा, जबान

झोपड़ी	:	कुटी, कुटिया, मड़वा, पर्णकुटी, छानी, कुंज
तरकस	:	तूणीर, निषंग, तूण, तूणी, इषुधि
तारा	:	नक्षत्र, तारक, उडगन, सितारा
दिन	:	अहन, वासर, वार, दिवस, दिवा
दुर्गा	:	सिंहवाहिनी, अजा, कालिका, चण्डिका, भवानी, कल्याणी, कामाक्षी, धात्री, अभया, शाम्भवी, महागौरी, चामुण्डा, वागीश्वरी

अपराह्न

मध्याह्न

पूर्व + अह्न = पूर्वाह्न

द्रोपदी : कृष्णा, द्रुपदसुता, पांचाली, सैरंध्री, याज्ञसेनी

दामिनी : चपला, तड़ित, प्रभा, विद्युत, बिजली

पुत्री : तनया, बेटी, आत्मजा, सुता, अपत्या, नन्दिनी, कन्या, तनूजा

परशुराम : भृगुनंदन, भृगुसुत, भार्गव, परशुधर

बिजली : दामिनी, चपला, सौदामिनी, विद्युत, क्षणप्रभा, तड़ित

ब्राह्मण	:	द्विज, विप्र, भुसुर, भूदेव, बाभन
भगिनी	:	बहन, सहोदरा, दीदी, जीजी
मेढ़क	:	मण्डूक, दर्दुर, दादुर, भेक, वर्षाभू
यमुना	:	सूर्यतनया, तरणि-तनूजा, जमुना, कालिन्दी, रवितनया, रविसुता, भानुजा
रात्रि	:	निशा, रजनी, यामिनी, विभावरी, रैन, त्रियामा, रात, तमी, निशीथ, क्षपा

रामचन्द्र : राम, रघुपति, राघव, रघुनंदन, रघुवर, रघुराज,
सीतापति, अवधेश, जानकीवल्लभ, रावणारि

अरि → शत्रु

वन : अरण्य, विपिन, अटवी, कानन, जंगल, कांतार

विष्णु : नारायण, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, जनार्दन,
चक्रपाणि, उपेन्द्र, श्रीपति, चतुर्भुज, विश्वम्भर,
गरुड़ध्वज, अच्युत, मुकुन्द, हृषीकेष

शिव : महेश, पशुपति, शंकर, चन्द्रशेखर, भूतेश, गिरीश,

		श्रीकंठ, महादेव, त्रिलोचन, रुद्र, हर, स्मरारि
		सर्प अहि, सांप, व्याल, नाग, भुजंग, हरि,
		विषधर, मणिधर, पन्नग, सारंग, उरग
अमृत	:	पीयूष, सुधा, सोम, अमी, सुरभोग
अग्नि	:	आग, कृशानु, अनल, पावक, वह्नि, हुताशन,
		धूम्रकेतु, धनञ्जय, वैश्वानर, हव्यवाहन
अरण्य	:	जंगल, विपिन, कानन, वन, कांतार